होली - रंगों का त्योहार

Trascrizione da: https://www.youtube.com/watch?v=yyg0wZYAOGw

1.

होली एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है |

यह पूर्व हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है |

यह त्योहार मुख्या रूप से हिन्दू या भारतीय मूल के लोग के साथ साथ भारत, नेपाल तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों में मनाया जाता है |

2.

होली के पर्व से अनेक कहानियाँ जुडी हुई हैं | इनमें से सबसे प्रसिद्द कहानी है प्रहलाद की | माना जाता है की प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक अन्यंत बलशाली असुर था | उसने अपने राज्य में इश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी था |

3.

अपने पुत्र प्रहलाद की इश्वर भक्ति से क्रुध्द होकर हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को आदेश दिया की प्रहलाद को गोद में लेकर आग में बैठे | होलिका को वरदान प्राप्त था की वह आग में भस्म नहीं हो सकती | हिरण्यकश्यप के आदेशानुसार आग में बैटने पर होलिका तो जल गई पर प्रहलाद बच गया | इश्वर भक्त प्रहलाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है |

4.

रंगों का त्योहार कहे जाना वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है | पहले दिन को होलिका जलाई जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते हैं | दुसरे दिन, जिसे धुरड्डी, धुलेंडी, धुरखेल या धूलिवंदन कहा जाता है, लोग एक दुसरे पर रंग, अबीर गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजाकर होली के गीत गये जाते हैं, और घर-घर जाकर लोगों को रंग लगाया जाता है |

5.

एसा मना जाता है की होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं | एक-दुसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है | इसके बाद स्नान करके बिश्राम करने के बाद नए कपडे पहन कर शाम को लोग एक-दुसरे के घर मिलते जाते हैं, गले मिलते हैं और गुझिया एवं मिठाइयाँ खाते हैं |